

16 जनवरी, 2023
मास, कृष्ण पक्ष, दशांशी
सप्तवत् 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 08, अंक 89

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque
Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



Admission OPEN 2023-24
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available
NURSING ANM CHM PARAMEDICAL DISEASERS OMT ECG PHARMACY BASIC B.Sc. X-RAY OPTOMETRIST BASIC B.Sc. M.Sc. ASST. OF ASSISTANT Separate Hostel For Boys And Girls M.: 9051231082, 7903999411, 6205145470 E-mail : fsrciba@gmail.com Website : www.florenceinstiba.com

नामांकन जारी सत्र : 2022-2023

उषा कॉलेज ऑफ फार्मेसी

D.C. ऑफिस के पीडी, बड़ा कांकड़ा, राजधानी

Regd. Under : Health & Family Welfare Department Govt. of Jharkhand

Recognized by : Pharmacy Council of India (PCI) Govt. of India

Affiliated by : Kothan University, Chabasa, Jharkhand.

Course:
B.PHARM
(Bachelor in Pharmacy)

Note: BUS & Hostel Facility Duration : 4Yrs. Eligibility: 10+2 With PCB/PCM
For more details Contact : TATA NAGAR INSTITUTE OF PARA MEDICAL TECHNOLOGY Shere Punjab Chowk, Main Road, Adinapur Cont. 9334635208, 9472788354

राजेश कच्छप से इडी आज करेगी पृष्ठालाल रांची (आजाद सिपाही)। इडी सोमवार को खिजरी के कांग्रेस विधायक राजेश कश्यप से पृष्ठालाल करेगी। विधायक को कालकता कैश कांड में 16 जनवरी को पृष्ठालाल के लिए बुलाया गया है।

17 जनवरी को नमन बिस्तर कोणार्की को बुलाया गया है। इसके पहले जामाड़ा के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी को बुलाया गया था। वह इडी से 2 हफ्ते का समय मांग लिए हैं। इन तीनों विधायकों पर आरोप है कि पैसा लेकर सरकार परियों की साजिश में शामिल थे। उनके पास से 48 लाख कोलकाता पुलिस ने बराबर विधायक अनुप सिंह ने अरगोड़ा थाना में एफआईआर दर्ज कराया। इसी पूरे मामले की जांच अब इडी कर रही है। तीनों विधायकों से यह जानने की कोशिश की जायेगी कि बरामद पैसा किसका था, और उसका क्या उपयोग किया जाना था। क्या सही में तीनों विधायक सरकार के खिलाफ साजिश रख रहे थे।

पीएम मोदी ने तेलंगाना-आंध्र प्रदेश को दी वंदे भारत की सौगात

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



वनडे इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत : श्रीलंका को 317 रन से हराया, विराट की 46वीं सेंचुरी

नेपाल में बड़ा विमान हादसा, पांच भारतीय समेत 68 लोगों की मौत

■ काठमांडू से 205 किमी दूर | ■ जिस एयरपोर्ट पर लैंडिंग पोखरा में प्लेन हुआ क्रैश | ■ होनी थी, उसे चीन ने बनाया

● दो हपते पहले ही हुआ था उद्घाटन

एंजेंटी

काठमांडू। नेपाल में रविवार सुबह बड़ा विमान हादसा हुआ। यह एटीआर-72 प्लेन था, जिसमें 68 यात्री और चार चार कूमेर थे। पोखरा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग से महज 10 सेकंड पहले विमान पहाड़ी से टकरा गया। इससे प्लेन में आग लग गयी और वह खाल में जा गिरा।

चीन की मदद से तैयार हुए पोखरा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का दो हपते पहले यानी इसी साल एक नवनवारी को नवनियुक्त प्रधानमंत्री पुण्य कठमांडू के दहल 'प्रांचंड' ने उद्घाटन किया था। यह परियोजना चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशियालिंग (बीआरआई) सहयोग का हिस्सा थी। काठमांडू पोर्ट अखबार के मुताबिक, एयरपोर्ट नियमण के लिए नेपाल सरकार ने चीन के साथ मार्च 2016 में 22 अरब रुपये के सॉफ्ट लोन समझौते पर दरकारत किये थे।

विमान के मलबे से 68 शव निकाले गये : पोखरा के जिला अधिकारी टेक बहादुर केसी ने बताया कि विमान के मलबे से 68 शव निकाले जा चुके हैं। हालांकि चर्मदीवों का कहना है कि हादसे नक्से लावजे के लिए बुलाया गया है।

विमान के मलबे से 68 शव निकाले गये : पोखरा के जिला अधिकारी टेक बहादुर केसी ने बताया कि विमान के मलबे से 68 शव निकाले जा चुके हैं। हालांकि चर्मदीवों का कहना है कि हादसे नक्से लावजे के लिए बुलाया गया है।

पहचानना मुश्किल है : फ्लाइट में यात्री भी आती है। विमान में पांच लोग भारत के हैं। इनमें से चार अवर अंदर एक साथ 12 जनवरी को बाराणसी की राजधानी काठमांडू के लिए रवाना हुए थे। हादसे से पहले का एक लीडिंगी भी सामने आया है। गाजीपुर के सोनू जायसवाल विमान हादसे के बारे फेसबुक पर लाइट थे। पहले वह विमान के अंदर और बाहर की सीन दिखाते हैं। इस दौरान विमान में सभी यात्री खुश नजर आ रहे हैं। कुछ सेंकेंड बाद विमान हवा में गोते खाने लगती है। अंदर कांड आवाज भी आती है। गाजीपुर जिले के बैचैनबन गांव निवासी सोनू जायसवाल (28), वकरदीरिया चक्रवैन विवासी अवलार (28), अलावलपुर अपांग (23) और धरांग गांव निवासी अभिषेक सिंह कुशावाहा (23) दोस्त थे। 12 जनवरी को अविल और अभिषेक वाराणसी के सारानाथ पहुंचे। जहां सोनू जायसवाल को साथ लेकर नेपाल के काठमांडू के लिए रवाना हुए। सभी मिस्र नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पोखरा जाने के लिए रविवार सुबह कठमांडू से विमान में सवार हुए। शाम करीब पांच बजे बरेसर थाने पर चारों युवकों के मौत की सूचना मिली। पुलिस ने घटना की जांच करायी और साथी निवासी को दी। इसके बाद कोहानवाल भारत के लिए भाग ले रहे थे।

पहचानना मुश्किल है : फ्लाइट में यात्री भी आती है। विमान में पांच लोग भारत के हैं। इनमें से चार अवर अंदर एक साथ 12 जनवरी को बाराणसी की राजधानी काठमांडू के लिए रवाना हुए थे। हादसे से पहले का एक लीडिंगी भी सामने आया है। गाजीपुर के सोनू जायसवाल विमान हादसे के बारे फेसबुक पर लाइट थे। पहले वह विमान के अंदर और बाहर की सीन दिखाते हैं। इस दौरान विमान में सभी यात्री खुश नजर आ रहे हैं। कुछ सेंकेंड बाद विमान हवा में गोते खाने लगती है। अंदर कांड आवाज भी आती है। गाजीपुर जिले के बैचैनबन गांव निवासी सोनू जायसवाल (28), वकरदीरिया चक्रवैन विवासी अपांग निवासी शर्मा (23) और धरांग गांव निवासी अभिषेक सिंह कुशावाहा (23) दोस्त थे। 12 जनवरी को अविल और अभिषेक वाराणसी के सारानाथ पहुंचे। जहां सोनू जायसवाल को साथ लेकर नेपाल के काठमांडू के लिए रवाना हुए। सभी मिस्र नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पोखरा जाने के लिए रविवार सुबह कठमांडू से विमान में सवार हुए। शाम करीब पांच बजे बरेसर थाने पर चारों युवकों के मौत की सूचना मिली। पुलिस ने घटना की जांच करायी और साथी निवासी को दी। इसके बाद कोहानवाल भारत के लिए भाग ले रहे थे।

पहचानना मुश्किल है : फ्लाइट में यात्री भी आती है। विमान में पांच लोग भारत के हैं। इनमें से चार अवर अंदर एक साथ 12 जनवरी को बाराणसी की राजधानी काठमांडू के लिए रवाना हुए थे। हादसे से पहले का एक लीडिंगी भी सामने आया है। गाजीपुर के सोनू जायसवाल विमान हादसे के बारे फेसबुक पर लाइट थे। पहले वह विमान के अंदर और बाहर की सीन दिखाते हैं। इस दौरान विमान में सभी यात्री खुश नजर आ रहे हैं। कुछ सेंकेंड बाद विमान हवा में गोते खाने लगती है। अंदर कांड आवाज भी आती है। गाजीपुर जिले के बैचैनबन गांव निवासी सोनू जायसवाल (28), वकरदीरिया चक्रवैन विवासी अपांग निवासी शर्मा (23) और धरांग गांव निवासी अभिषेक सिंह कुशावाहा (23) दोस्त थे। 12 जनवरी को अविल और अभिषेक वाराणसी के सारानाथ पहुंचे। जहां सोनू जायसवाल को साथ लेकर नेपाल के काठमांडू के लिए रवाना हुए। सभी मिस्र नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पोखरा जाने के लिए रविवार सुबह कठमांडू से विमान में सवार हुए। शाम करीब पांच बजे बरेसर थाने पर चारों युवकों के मौत की सूचना मिली। पुलिस ने घटना की जांच करायी और साथी निवासी को दी। इसके बाद कोहानवाल भारत के लिए भाग ले रहे थे।

पहचानना मुश्किल है : फ्लाइट में यात्री भी आती है। विमान में पांच लोग भारत के हैं। इनमें से चार अवर अंदर एक साथ 12 जनवरी को बाराणसी की राजधानी काठमांडू के लिए रवाना हुए थे। हादसे से पहले का एक लीडिंगी भी सामने आया है। गाजीपुर के सोनू जायसवाल विमान हादसे के बारे फेसबुक पर लाइट थे। पहले वह विमान के अंदर और बाहर की सीन दिखाते हैं। इस दौरान विमान में सभी यात्री खुश नजर आ रहे हैं। कुछ सेंकेंड बाद विमान हवा में गोते खाने लगती है। अंदर कांड आवाज भी आती है। गाजीपुर जिले के बैचैनबन गांव निवासी सोनू जायसवाल (28), वकरदीरिया चक्रवैन विवासी अपांग निवासी शर्मा (23) और धरांग गांव निवासी अभिषेक सिंह कुशावाहा (23) दोस्त थे। 12 जनवरी को अविल और अभिषेक वाराणसी के सारानाथ पहुंचे। जहां सोनू जायसवाल को साथ लेकर नेपाल के काठमांडू के लिए रवाना हुए। सभी मिस्र नेपाल के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पोखरा जाने के लिए रविवार सुबह कठमांडू से विमान में सवार हुए। शाम करीब पांच बजे बरेसर थाने पर चारों युवकों के मौत की सूचना मिली। पुलिस ने घटना की जांच करायी और साथी निवासी को दी। इसके बाद कोहानवाल भारत के लिए भाग ले रहे थे।

पहचानना मुश्किल है : फ्लाइट में यात्री भी आती है। विमान में पांच लोग भारत के हैं। इनमें से चार अवर अंदर एक साथ 12 जनवरी को बाराणसी की राजधानी काठमांडू के लिए रवाना हुए थे। हादसे से पहले का एक लीडिंगी भी सामने आया है। गाजीपुर के सोनू जायसवाल विमान हादसे के बारे फेसबुक पर लाइट थे। पहले वह विमान के अंदर और बाहर की सीन दिखाते हैं। इस दौरान विमान में सभी यात्री खुश नजर आ रहे हैं। कुछ सेंक

वीपी सिंह और मुलायम के बाद इस इमारत का तीसरा पिलर भी गिरा, शरद यादव के निधन के बाद उठ रहा सवाल

अब कौन संभालेगा देश की 'मंडल सियासत' की कमान

■ चौथे और अंतिम पिलर, लालू यादव बीमारी के कारण हैं निष्क्रिय

■ इन सभी नेताओं के जीवन में अद्भुत संयोगों की लंबी शृंखला है

आजादी के बाद भारत की राजनीति को जिन दो घटनाओं ने सबसे अधिक प्रभावित किया, उनमें 'मंडल कमान' एक है। यह मुद्दा उस समय राजनीति के केंद्र में आया, जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र एक फरमान के मुद्रे पर अंदोलित था, तो दूसरे में 'मंडल सियासत' का भट्टाचार के दावानाल में लंगवार्ड भ्रष्ट हो चुका था। उस दौर में 'मंडल के फक्री' विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में 'मंडल सियासत' का आगांठ हुआ था और यह पूरी इमारत चार धूरधर राजनीतिज्ञों के कंधों पर बुलंद हुई थी। प्रधानमंत्री वीपी सिंह के अलावा इसके तीन

अन्य पिलर थे, डॉ राम मनोहर लाहिया के शिष्य मुलायम सिंह यादव और लाकनायक जयप्रकाश नारायण के शिष्य शरद यादव और लालू यादव। इन राजनीति ने इतना जार पकड़ा कि यह देश की राजनीति की दिशा तय करने लगी। लेकिन इस राजनीति के इन चार पिलरों का क्षण भी

तेजी से शुरू हुआ। पहले वीपी सिंह और अब मुलायम सिंह यादव और शरद यादव के निधन के बाद यह सवाल उठने लगा है कि अब इस 'मंडल सियासत' की कमान कौन संभालेगा। इसके अंतिम पिलर लालू यादव स्वास्थ्य कारणों से सियासत में निष्क्रिय हैं, तो क्या अब देश

में 'मंडल सियासत' खत्म हो जायेगी। यदि खत्म नहीं होगी, तो फिर कौन संभालेगा इस सियासत की कमान, त्योहारिंग इन राजनीतिज्ञों ने 'मंडल सियासत' से पिछड़े को आवाज तो दी, लेकिन सभी को जीवन का अंतिम चरण लगभग एक जैसा बीता। इन नेताओं का इत्तेमाल तो खूब किया गया, लेकिन अपनों ने ही उन्हें खासिये पर धकेल दिया। शरद यादव के निधन के बाद 'मंडल सियासत' के बारे में पैदा हुए सवालों का जीवन तालिशे की काशिश कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संगाददाता राफेश सिंह।



राकेश सिंह



उनके निधन से इस इमारत के तीन संभाल अब गायब हो चुके हैं, जबकि चौथे स्तंभ, वानी लालू यादव बीमार होकर निष्क्रिय हैं। ऐसे में यह सवाल तो बनता है कि क्या अब 'मंडल सियासत', जिसने पिछड़े को आवाज दी, खत्म हो जायेगी।

यह सभी जानते हैं कि विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और लालू यादव की तिकड़ी देश की राजनीति में काफी मायने रखती थी। पिछड़ी जातियों और मध्यम किसान वर्ग के बढ़ते प्रभाव को द्विग्राम कर इस महत्वपूर्ण तिकड़ी ने उत्तर भारतीय राजनीति में अपना दबदबा बनाया था। यह भी एक संयोग था कि इन तीनों के पास अलग-अलग राजनीतिक गुण थे। मुलायम सिंह यादव जहां प्रधानी प्रशासक माने जाते थे, वही समय बाद शरद यादव के निधन से नेता माना जाता था, जबकि शरद 'शून्य' पैदा हुआ है, जिसे 'मंडल सियासत' के सबसे सशक्त आवाजों में से एक है। इसके बाद एक अंद्राजीवी गुण का अंत है। आजादी के बाद पहले इमरजेंसी और बाद में मंडल सियासत ने इस देश की राजनीति को बहुत हड्ड तक प्रभावित किया।

'मंडल सियासत' के इन चार संभालों में सबसे पहले वीपी सिंह का निधन हुआ। तब जो तिकड़ी

बची थी, उसने इस सियासत को नये मुकाम तक जरूर पहुंचाया। इस क्रम में यह भी याद रखा जाना चाहिए कि मुलायम और लालू के मुकाबले शरद यादव के पास व्यापक राजनीतिक करिश्मे का अभाव था, लेकिन राष्ट्रीय

राजनीति में उनका आगमन कहीं प्रभावी तरीके से हुआ था। 1979 में जब किसान नेता और तकालीन गृह मंत्री चरण सिंह ने जनता पार्टी से अलग होकर लोक दल बनाया और कांग्रेस के समर्थन से कुछ समय

के लिए प्रधानमंत्री बने, तब शरद यादव उनकी नवी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बने थे। यह वह दौर था, जब पिछड़े को किसानों और अल्पसंख्यकों के साथ जोड़ने का छात्र राजनीतिक प्रयोग चल रहा था। मुलायम सिंह यादव जहां डॉ राम मनोहर लोहिया की समाजवादी परंपरा के अंतिम योद्धा

के रूप में इस प्रयोग का एक पहिया बने, वहीं लोकान्यक जयप्रकाश नारायण के शिष्य लालू यादव के दूसरा पर्याय बनना स्वीकार किया। इन दोनों ने

राम मनोहर लोहिया की समाजवादी परंपरा के अंतिम योद्धा के रूप में इस प्रयोग का एक पहिया बने थे। इन चारों ने अपनी अलग-अलग पृष्ठभूमि को जिस कुशलता से एकाकर यात्रा किया और विना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के अपने लिए उन्होंने खुद जगह बनायी थी, जबकि शरद यादव मध्यम वर्गीय परिवार से आये थे और मध्यप्रदेश की छात्र राजनीति में समाजवादी धारा का प्रतिनिधित्व करते थे। इन चारों ने अपनी अलग-अलग पृष्ठभूमि को जिस कुशलता से एकाकर यात्रा किया और एक मुद्रे को लेकर जुटे, वह भी एक अनोखा बदली नेता, हर किसी ने शरद यादव का इत्तेमाल किया और काम किया जाने के बाद उन्हें अलग-थलग कर दिया। इस चौकड़ी में अब केवल लालू यादव ही बचा है और अब यह देखना जहां बीमार होकर विस्तर पर पड़े हैं और राजनीतिक रूप से लगभग

निष्क्रिय हैं, वहीं वीपी सिंह, मुलायम सिंह यादव और शरद यादव की विसासत को आगे ले जानेवाला अब कोई नजर नहीं आ रहा है। वीपी सिंह ने किसी को अपनी सिंह ने किसी को अपनी सीधी, इसलिए उनका दौर उनके साथ ही खत्म हो गया, लेकिन मुलायम ने जिस अखिलेश को अपनी विसासत सीधी, वहीं अखिलेश किसी दूसरे दौर में उलझ कर रह गये हैं। बसपा की सेंशल इंडीनीशनिंग और भाजपा की अक्रामक राजनीति के चक्रवृह में वह ऐसे फंस गये हैं कि उन्हें मुलायम की विसासत को भूल जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जहां तक शरद यादव का सवाल है, तो उन्हें भी उपेक्षा का वह दंड झेलना पड़ा, जिसकी उम्मीद नहीं की जा सकती। चाहे नीतीश कुमार हों या वशिष्ठ नारायण सिंह हो या फिर पृष्ठ यादव का सवाल है, तो वह दूसरे नेता, हर किसी ने शरद यादव का इत्तेमाल किया और काम किया जाने के बाद उन्हें अलग-थलग कर दिया। इस चौकड़ी में अब केवल लालू यादव ही बचा है और अब यह देखना जहां नाटकीय नहीं है। लालू यादव जहां बीमार होकर विस्तर पर पड़े हैं और राजनीतिक रूप से लगभग

ट्वीट :

हेमंत सोरेन :

भारत के पांच यात्रियों सहित सभी मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी हार्दिक संदेशों, जिनकी उड़ान दुर्घटना में मर्यादा गयी। पौखरा, नेपाल। मैं गंभीर रूप से घासाल लागू की शैरप्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ।

बाबूलाल मरांडी :

पुलिस कस्टडी में मौत: यह धृष्टि कृत्य विलुप्त अस्तीकरण है, यह एक झाजीराम कर्स्टिलियल डेय का ममल है। हजारीबाग शहर के कानी बाजार निवासी व्यवसायी सुनील कुमार गुरा की संदेहास्पद सिद्धियां प्राप्ति के बाद एक गंभीर अपेक्षाएँ और जल्दी अपेक्षाएँ हो रही हैं। राज्य स्तर के वरीय अड्डीपीएस अधिकारियों से इसकी साथ जांच कर कर्कश्वार्ड करिये ताकि लीपापोता न हो, पीड़ित परिवार को न्याय मिले। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग इसका संज्ञान ले।

दीपक प्रकाश

सेना के मनोबल को गिराने का काम सहुल गंधी करते हैं। उन्होंने सेना की पिटाई हुई जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। मैं ये दावे के साथ कह रहा हूँ कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश के बॉर्ड सुरक्षित हो और हमारे जवान पीड़ित परिवारों तक करते के साथ सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं।

निशिकांत दुर्वे :

मानवीय प्रधानमंत्री जी के कारण, प्रधानमंत्री ग्राम संदूक योजना यानि केंद्रीय योजना के तहत गोद्धा लोकसभा में कुल 210 करोड़ की लागत से कुल 28 रोड बनाने का टैंकर हुआ है। मंत्री गिरिराज सिंह जी का आभार।

19 जनवरी को रांची आयेंगे केंद्रीय मंत्री पश्चिमती नाथ पारस

आजाद सिपाही संवाददाता युवकों में से झारखंड के चयनीत उम्मीदवारों को नियुक्त पत्र देंगे। 19 जनवरी को वे राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ होल्डर रेडिंग्स ब्लू में संबोधित करेंगे। उनका 19 जनवरी को दोपहर बाद बजे रांची पहुँचने वाली हिंदू युवती को मुस्लिम युवक ने वहां अपने

आक्रोशित लोगों ने गांव में घुसने से पुलिस को टोका ग्रामीणों ने विधायक मूलिका कुमार सोनू को फोन कर बुलाया

मारपीट कर दी।

इससे लोग भड़क गये और देखते ही देखते ही देखते ही पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ डड़ी संख्या में ग्रामीण गोलबंद होकर भाषेमारी करने निकले थे। तभी चरण गांव के टोकरा एक घर में भीम निशानदेही के बाद उसकी निशानदेही पर सीआरपीएफ और

पहल: चर्च पर हमलों के खिलाफ रांची में निकली रैली

धर्म के नाम पर बंद हो बंटवारा : क्रिश्वियन यूथ एसोसिएशन

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। झारखण्ड क्रिश्वियन यूथ एसोसिएशन और मेथोडिस्ट चर्च इन ईडिंग्स (लखनऊ रिजनल कॉर्प्सेस) की ओर से रविवार को मोरहाबादी मैदान में विरोध महारैली निकली। इस दौरान मसीही समाज से जुड़े लोगों ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ सहित देश पर में समाज को धर्म के नाम पर बांटा जा रहा है। जिसे बंद करना चाहिए। आर्च विश्व फेलिक्स टोप्पो, पूर्व मंत्री बंधु तिकों सहित मसीही समाज से जुड़ कई प्रभुत्व लोगों ने छत्तीसगढ़ में मसीहियों पर हमले की निंदा की अपनी चिंता जाहिर करते कहा कि धर्मांतरण के नाम पर इसीसे समाज के लोगों के साथ मारपीट, उनका समान करना होगा। धर्म के नाम पर समाज में बंटवारा बंद होना चाहिए। इससे लोकतंत्र का हनन तो होता है। इससे पहले सैकड़ों की होता है। अपने संख्या में मसीही समाज से जुड़े लोगों ने कचहरी चौक से मोरहाबादी मैदान तक विरोध महारैली निकली, उनके हाथों में बंटवारा बंद किये जाने सहित अब जिदुओं के जरिये विरोध जाहिर किया गया।



परिवहन मंत्री चंपई सोरेन की तबीयत बिगड़ी, टीएमएच अस्पताल में भर्ती

आजाद सिपाही संचाददाता

जमशेदपुर। झारखण्ड सरकार के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन की अन्वानक तबीयत बिगड़ गयी। आनन फनन में टीएमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। टीएमएच के डॉक्टर ने बताया कि चंपई सोरेन को ठंड लगने से तबीयत खराब हुई है। इलाज चल रहा है और शीघ्र स्वस्थ हो जायेगा।

बताया जा रहा है कि 42 डिग्री तापमान में मंत्री चंपई सोरेन



लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र के साथ कालोना का भ्रमण कर रहे हैं। सोमवार की भी क्षेत्र भ्रमण कर जिलिंगोडा स्थित अपने आवास पहुंचे, तभी अचानक तबीयत बिगड़ी गयी। चंपई सोरेन

की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही उनके समर्थक और पार्टी के नेता अस्पताल पहुंचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली है। तबीयत खराब होने की वजह से मंत्री चंपई सोरेन सरहल पर्व में शामिल नहीं हो सके हैं। बताया जा रहा है कि गम्भीर के रासायन लूलाने से चंपई सोरेन की वीमार हो गयी है। डॉक्टर ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि स्थिति सामान्य है और कुछ दिन आराम करेंगे तो शीघ्र स्वस्थ हो जायेंगे।

द ब्लैक बोर्ड में स्कॉलरशिप टेस्ट बी-सैट का आयोजन

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। रविवार को संत आलोइस विद्यालय में डागरा टोली स्थित कोरिंग संस्थान द ब्लैकबोर्ड के स्कॉलरशिप टेस्ट बी-सैट का आयोजन किया गया। इस स्कॉलरशिप टेस्ट में 1742 छात्र शामिल हुए। संस्थान की ओर से यह घोषणा की गयी कि टेस्ट के माध्यम से अच्छा प्रदर्शन करने वाले को नामांकन फीस में 100

टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को नामांकन फीस में 100 प्रतिशत तक बढ़ाया जायेगा।

प्रतिशत तक का डिस्काउंट दिया जायेगा।

इस अवसर पर निदेशक सुशांत मिश्र ने बताया कि 11वीं से 12वीं में जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए बी-सैट एक सुनहरा मौका है। इस टेस्ट के माध्यम से बच्चों को

प्रतिशत तक स्कॉलरशिप दिया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान के सभी शिक्षक उपस्थित थे। निदेशक सुशांत मिश्र ने बताया कि वहाँ के छात्रों को पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श सर ने बताया कि टेस्ट में फिजिक्स, केमेस्ट्री, पैथस और बायोलॉजी के अब्जेंटिव टाइप के सवाल पूछे गये। इस अवसर पर संस्थान के सभी शिक्षक उपस्थित थे। निदेशक सुशांत मिश्र ने बताया कि वहाँ के छात्रों को पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए नये सानों को नियुक्त करने के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिसमें एक अच्छा वेतन, अच्छा करियर और शिर जीवन के लिए तैयार किया जा रहा है। कहा

कि उनका संस्थान के शिक्षक आदर्श के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है। यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि एक बहुत ही सफल मॉडल है।

उम्मीदवारों के पास हमारे संस्थान से जुड़ने की अलग-अलग वजह होती है, जिस

संपादकीय

संघ का खुलापन

आ राष्ट्रपति प्रमुख मोहन भागवत का एक इंटरव्यू कई बजहों से सुर्खियों में है। इसमें संघ प्रभुत्व ने कई विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये हैं, लेकिन खास तौर पर ध्यान देने लायक रहा एलजीटीवी कम्पनी को लेकर दिखा उनका नजरिया। भागवत ने इस इंटरव्यू में दो ऐसे बातें कहीं, जो इस मसले पर सधे के अब तक के रूप से अलग हैं। पहली, ट्रांसजेंडर लोग या समर्थीय रिश्ता कोई ऐसी चीज़ नहीं है, जो भारतीय परम्पराओं के लिए नवी या अनोखी हो। उन्होंने जरासंघ के दो सेनापतियों का उदाहरण देते हुए बताया कि समर्थीय रिश्तों का जिक्र महाभारत जैसे प्रश्नों में भी आता है। उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक तौर पर भी भारतीय समाज में ट्रांसजेंडर्स की अपनी एक जगह और भूमिका रही है, जो समाज में इनकी एक जगत का संकेत है। दूसरी बात यह कि भागवत ने पृष्ठों में भी इस तरह के रिश्तों का जिक्र किया। वह खुद पश्चिम की ओर ध्यान देते हुए बताया कि ऐसे रिश्तों को किसी रूप में अप्राकृतिक नहीं कहा जा सकता। भागवत की ये दोनों बातें इस लिहाज से महत्वपूर्ण हैं कि न केवल संघ बल्कि उससे वैचारिक तौर पर निकटता रखने वाले कई संगठन और व्यक्ति समर्थीय संघों पर अपने अपने ढंग से आपत्ति जाते रहे हैं। वहाँ

तक विज जब 2018

में सुप्रीम कोर्ट ने इसे अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया, तब भी संघ की ओर से यही कहा गया कि शीर्ष अदालत की तरह हम भी इसे अपराध नहीं मानते, लेकिन हम इसका समर्थन भी नहीं करते और्कोंका

संघ के आलोचक उस पर आधुनिक मूल्यों का विरोधी होने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन आराएसएस प्रमुख के हालिया इंटरव्यू से पता चलता है कि संगठन ने आधुनिक मूल्यों और बदलते विषयों का लेकर खुलापन बनाये रखा है।

संघ के आलोचक उस पर आधुनिक मूल्यों का विरोधी होने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन आराएसएस प्रमुख के हालिया इंटरव्यू से पता चलता है कि संगठन ने आधुनिक मूल्यों और बदलते विषयों को लेकर खुलापन बनाये रखा है। पछा जा सकता है कि संगठन ने आधुनिक मूल्यों को खुलापन बनाये रखा है। पूछा जा सकता है कि किसी संगठन के आंतरिक मामलों से बाकी पूरे समाज को मतलब बिंदुओं में होना चाहिए। पौज्या संदर्भ में इसकी दो बातें हैं। एक तो यह कि संघ कोई मामूली संगठन नहीं, बल्कि मौजूदा समाज और सत्ता पर तगड़ा वैचारिक प्रभाव रखने वाला एक व्यापक संगठन है। दूसरी बात यह कि संघ के रूप में आया यह बदलाव बताता है कि तमाम तरह की परस्परविरोधी प्रवृत्तियां, विचारों और प्रक्रियाओं का गवाह बने रहे हैं और भी हमारे समाज की गति आधुनिकता की ओर है। यह आश्वस्त करने वाली बात है।

अभिमत आजाद सिपाही

जोशीमठ मध्य हिमालय क्षेत्र में घमोली जिले की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी और शंकराचार्य की तपस्थली है। चीन की सीमा पर जोशीमठ भारत का अंतिम शहर है। बढ़ीनाथ, हेमकुंट साहिब, फूलों की घाटी, औली आदि जाने वाले तीर्थयात्री और पर्यटक यहाँ से होकर जाते हैं। सीमांत क्षेत्र होने के कारण सैनिकों का भी एक बड़ा इलाका है।

जोशीमठ ही नहीं, कई स्थान हैं संवेदनशील

अवधेश कुमार

जोशीमठ के बारे में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा है कि यह धीर-धीरे धंस रहा है। जोशीमठ के बारे में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा है कि यह धीर-धीरे धंस रहा है। पिछले 2 सप्ताह के अंदर 5 सेंटीमीटर से ज्यादा धंसने की रिपोर्ट है। जोशीमठ की भू धंसान आपदा इस समय समूचे भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन कर खड़ी है। जोशीमठ मध्य हिमालय क्षेत्र में चमोली जिले की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी और शंकराचार्य की तपस्थली है। चीन की सीमा पर जोशीमठ भारत का अंतिम शहर है। बढ़ीनाथ, हेमकुंट साहिब, फूलों की घाटी, औली आदि जाने वाले तीर्थयात्री और पर्यटक यहाँ से होकर जाते हैं। सीमांत क्षेत्र होने के कारण सैनिकों का भी एक बड़ा इलाका है।



जलवायु परिवर्तन के खाते को भी हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। जोशीमठ अत्यंत ही संवेदनशील भूकंप क्षेत्र में आता है। जोशीमठ ऐसा अकेला नहीं है। उत्तराखण्ड के अनेक स्थान संवेदनशील और संकटग्रस्त हैं। घमोली से लेकर उत्तराकाशी, लट्टप्रयाग, कर्णप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर जैसे जिलों से भी दरारे और भूसंसान की खबरें आती रहती हैं।

इस कारण वहाँ से सैन्य गतिविधियां भी सतत होती रहती हैं। जब भी ऐसी घटना होती है त्वरित निष्कर्ष निकाल कर हम उन सारे विकास के पैमानों को खलनायक बनाते हैं, जिनकी मांग हम स्वयं करते हैं और जिन्हें अपने दैनिक जीवन का भाग बना लिया है। भूर्भीय परिवर्तन की कल्पना करना आसान नहीं होता। कुछ भूर्भीय परिवर्तन या घटनाएं प्राकृतिक ही व्यापक होती हैं। आप कुछ भी निर्माण करेंगे तो तोड़-फोड़ करनी पड़ेगी। चीन की भारत पर गिर दृष्टि को देखते हुए आगे भी इसकी अपरिहायिक बनी रहेगी।

इसके द्वारावारों को आर्मिंग करते हैं। इस बारे में भी निश्चित और अंतिम निष्कर्ष देना आसान नहीं है। हाँ, कुछ बातें स्पष्ट अवश्य दिखती हैं।

आप पहाड़ों में तोड़-फोड़ आदि को एक बड़ा कारण मान सकते हैं।

अलकनंदा, धौलीगंगा, ऋषि गंगा तीनों नदियों की गोद में बसा हुआ है। धरादर घाड़ के सिर पर करीब 6000 फीट की ऊंचाई पर बसा हुआ यह शहर बरसों से विश्व भर के प्रकृति प्रेमियों के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा है। जोशीमठ कोई स्थाई-स्थिर जीवन नहीं है। हजारों वर्ष पहले यहाँ ग्लेशियर द्वारा छोड़े गये मौरें यानी रेत, मलबा, पत्थर आदि पर टिका हुआ है।

जाहिर है, यहाँ निर्माण कार्य उसके वजन उठाने की हीसियत के अंदर ही होना चाहिए था। 1980 में वहाँ पहली जल विद्युत परियोजना आयी। उसका विरोध हुआ, लेकिन कार्य रुक्ना नहीं। उसके बाद 2006 में नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन की प्राकृतिक शिथित अद्भुत है। यह

इसका भी विरोध हुआ। विरोध आज तक चल रहा है। इन परियोजनाओं के साथ समस्या यह है कि निर्माण होने के कारण इसके बड़े पैमाने पर तोड़फोड़, विस्फोट होते हैं। आज हम बिजली परियोजना और सुरंग को सबसे बड़ा खलनायक बता रहे हैं।

हिमालय जैसे कच्चे पहाड़ में विकास के पैमानों पर कैसे आगे बढ़ें इसमें स्थानशील और संकटग्रस्त हैं। चमोली से लेकर उत्तराकाशी, रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, पिथौरागढ़, बागेश्वर जैसे जिलों से भी दरारे और भूसंसान की खबरें आती रहती हैं। इसलिए जोशीमठ की समस्या के विकास का निर्माण खतरनाक है। इसकी सुरंग में हो रहे विस्फोटों से जोशीमठ की धरती हिलती रही है। विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि भूसंसान का एक परियोजना आयी।

जमशेदपुर की खबरें

320 फीट ऊंची चोटी पर स्थित मां आकर्षिणी पीठ पहुंचे अर्जुन मुंडा क्षेत्र को शक्ति पीठ के रूप में किया जायेगा विकसित

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने शहीद गणेश हांसदा के परिवार संग मनाया सेना दिवस

विधायक दशरथ गगराई आयान यात्रा में शामिल होकर मां आकर्षिणी की पूजा-अर्चना की



बाटे प्रसाद : खरासावा के आस्था

एवं विचास के प्रतिक मां आकर्षिणी देवी के आयान यात्रा में वृहत झारखंड जनाधिकार मंच (वीजेजेएम) द्वारा शिवार लगाकर दो हजार श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। वृहद झारखंड जनाधिकार के पाससरता से इंकार करने के बावजूद राज्य परिवर्तन के नेतृत्व में एवं मंच के केंद्रीय अध्यक्ष राजू मुंडा के नेतृत्व में एवं मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विरसा सोये, प्रखंड अध्यक्ष राजू मुंडा, विरसा बंकीरा, राजेश तिलु, टिंकु हेंग्रम, सोमरा विकास की उपस्थिति में पहली बारे यात्रा की विरोधी व्यापक विवादों के बावजूद विवाद नहीं हो रहा है।

मंच के निःशुल्क चना, गुड और यानी वितरण में मुख्य रूप से वृहद झारखंड जनाधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विरसा सोये, प्रखंड अध्यक्ष राजू मुंडा, विरसा बंकीरा, राजेश तिलु, टिंकु हेंग्रम, सोमरा विकास की उपस्थिति में एवं उपरान्त उन्हें एवं उनके प्रतिक्रिया के बाबजूद विवाद नहीं हो रहा है।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सह भाजपा

आजाद सिपाही संवाददाता

बहरागोडा। बहरागोडा के कोसाफलिया गांव निवासी गलवान के बीच शहीद गणेश हांसदा के गांव में शहीद स्मारक स्थल परिसर में गवर्नर को अधिकार भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जमशेदपुर के भूतपूर्व सैनिकों ने सेना दिवस मनाया। गलवान के बीच शहीद गणेश हांसदा नींदी के बगल के किनारे से तपोवन विष्णुगढ़ परियोजना 520 मैगावाट का निर्माण खत

रांची-आसपास

तमाड़ में वाहन के धक्के से युवक की मौत

बुंदू (आजाद सिपाही)। तमाड़ थाना क्षेत्र के कांची स्थित पोड़ाडीह के पास अजात वाहन की चपेट में आने से 35 वर्षीय एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दुसरा व्यक्ति गधार रूप से घायल है। युवक की पहचान मंटू महतो उर्फ मोहर महतो के रूप में हुई है। जबकि घायल का नाम शशुद्ध महतो (35) है। उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिस्म अस्पताल रेफर किया गया है। गामीणों ने बताया कि देनों व्यक्ति जोडीह से वापस को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।



प्रेमिका ने नाबालिंग प्रेमी पर लगाया यौन शोषण का आरोप, थाने में एफआइआर दर्ज

बुंदू (आजाद सिपाही)। प्रेमिका द्वारा बुंदू महिला थाने में 17 वर्षीय नाबालिंग प्रेमी पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। उसका नाम अरुण महतो है। वह सोनाहाता का रहने वाला है। जबकि प्रेमिका डिल्हिडीह ग्राम के उपर की रहने वाली है। थाने में दर्ज कर अपाइआ में अपाइल लगाया कि अरुण से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। इस दौरान अरुण ने कई बार उसका यौन शोषण किया। जिस कारण वह एक बार गर्भवती भी हो गई और उसका गर्भपाता भी कराया है। इसर महिला थाने में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए छापानारी कर रही है।

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी : कालीचरण

तमाड़ (आजाद सिपाही)। खेल शारीरिक और मानसिक तंत्रस्त्री को सुधारने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण प्रयासों द्वारा खेल के बीचों में कानी सुधार आया है। हम खेल के माध्यम से स्वास्थ्य और शरीर की तंत्रस्त्री को बनाए रखने के साथ ही खेलों में एक बेहतर भविष्य का बनाने का बहुत ही अच्छा तरीका है। यह नियमित रूप से मनोरंजन और शारीरिक गतिविधियों को प्राप्त करने का अच्छा साधन है। उक्त बातें पुनर्दीरी में आयोजित फुटबाल खेल और चौड़ाइल प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व विद्यायक कालीचरण मुंदा ने कहा है। प्रतियोगिता में आनी टीमों से भाग लिया था। फाइनल मुकाबला वाइट स्टोन और मुकेश ब्रदर्स एडेलपीटी के बीच खेला गया जिसमें पेनाल्टी शूट आउट में 5-4 से मुकेश ब्रदर्स विजेता बनी। चौड़ाइल में प्रथम पुरुष कार्यक्रम बुसुडीह और द्वितीय पुरुषकार पुनर्दीरी को दिया गया। खेल संचालन झारखंड रेफरी बहुत नाग ने किया।

हजारों श्रद्धालुओं ने किया मकर स्नान

सिल्ली (आजाद सिपाही)। मकर संक्रान्ति के मौके पर मुरी सिल्ली एवं आसपास के इलाकों में हजारों श्रद्धालुओं ने मकर स्नान किया। मुरी में स्वर्णरेखा नदी धार समेत इलाके के नदियों ने लोगों ने डुबकी लगाई। मकर संक्रान्ति के मौके पर मुरी में स्वर्णरेखा नदी तट पर बंगला झारखण्ड सीमा पर दुर्दू मेला का आयोजन किया गया। इस मौके पर एवं बंगला एवं झारखण्ड के कई गंडे लोगों का आकर स्नान किया। नीरी धार पर ही दुर्दू की पूजा की गयी। पारंपरिक रीत रिवाज के साथ मकर संक्रान्ति का लोहार मनाया गया। मेले में मुर्गा लडाई, झूला, घेरेलु समान के ढुकान, खिलौने समेत अनेक प्रकार के ढुकानें लगी थीं। पारंपरिक दुर्दू गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर एवं बंगला एवं झारखण्ड की स्थानीय पुलिस गर्दन करती रही। मेले के आयोजन में मेला कमेटी के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बुंदू में मकर संक्रान्ति पर लोगों ने लगायी आस्था की इबकी, दही-चूड़ा खाकर मनाया त्योहार

बुंदू (आजाद सिपाही)। मकर संक्रान्ति के अवसर पर रविवार को बुंदू क्षेत्र में लोगों ने नाना धाकर पूजा पाठ कर किया। इसके बाद तिलकूट, चूड़ा, गुड़ गुड़पीटा का सेवन किया। बुंदू क्षेत्र के रासी चूआ कांची नदी, बुद्धाडीह धाट, बुंदू बड़ा तालाब में अहले सुबह लोगों ने अस्था की डुबकी लगायी। यह सिलसिला दोपहर तक चलता रहा। रासी चूआ में हजारों लोगों ने डुबकी लगायी और महावीर मीरी शिव मीरी में पूजा किया। नीरी धार में रासी चूआ का खास महत्व है। जब जाड़े के दिन में गर्म गर्मी पानी रहता है। इसके बाद ही गुड़ चूड़ा तिलकूट गुड़ पीटा आदि जंजीरों का सेवन किया। दोहर में लोग मास भात का सेवन किया। इसके साथ ही बुंदू क्षेत्र में मकर संक्रान्ति के दिन लगने वाले पगला बाबा में मेला का आनंद लिया। मेले में पुस गीत का भी आनंद उत्पन्न। मकर संक्रान्ति पर आयोजित बुद्धाडीह मेला में आजसू के तमाड़ विधानसभा प्रभारी राम दुर्लभ सिंह मुंदा भी पहुंचे एवं मेला समिति का उत्साह वर्धन किए। इस मौके पर मानकी देवी, प्रसाद सिंह, दिलाप साहू, रवींद्र साहू, सुरेश महतो, बिदेश्वर महतो, दिलाप मिर्धा और अखिलेश महतो आदि मौजूद थे।

सोनाहातू के राणाडीह में दुस लोगों का आयोजन

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। सोनाहातू के राणाडीह गांव के समीप सीता नदा पर मकर संक्रान्ति के अवसर पर दुस लोगों का आयोजन किया। जिसमें मैक्स डांस ग्राम डांस प्रस्तुत किया गया। इस दौरान मेले में मुर्गा लडाई एवं दुस-चौड़ाइल प्रदेशीयों के अलावे रांगण सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मेला का उद्घाटन हेसाडीह पंचायत के मुख्य प्रताप चंद्र सिंह मुंदा ने किया। मौके पर अनिल सिंह, दिलाप साहू, रवींद्र कुमार, रविंद्र गंग्या, रितेश अंसारी, सकील अंसारी, रितेश

डालसा ने मनमनी गांव में किया विधिक साक्षरता सह जागरूकता शिविर का आयोजन

सामाजिक-आर्थिक स्तर से कमज़ोर गांवों को बनाना है कानूनी स्तर से साक्षर : डालसा

आजाद सिपाही संवाददाता



खुंटी। नालसा और डालसा के निर्देशन पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के अध्यक्ष सत्र प्रकाश के मार्गदर्शन में रविवार को तोरण प्रखंड के मनमनी गांव में विधिक साक्षरता सह जागरूकता शिविर और दिशा योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गामीणों को संवेदित करते हुए डालसा के सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि यह एक बार में दर्ज कर अपाइआ में अपाइल लगाया कि अरुण से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। इस दौरान अरुण ने कई बार उसका यौन शोषण किया। जिस कारण वह एक बार गर्भवती भी हो गई और उसका गर्भपाता भी कराया है। इसर महिला थाने में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए छापानारी कर रही रही।

ट्रैक्टर से टकर हो गई थी। दोनों व्यक्ति जोडीह से वापस को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।

प्रेमिका ने नाबालिंग प्रेमी पर लगाया यौन शोषण का आरोप, थाने में एफआइआर दर्ज

बुंदू (आजाद सिपाही)। प्रेमिका द्वारा बुंदू महिला थाने में 17 वर्षीय नाबालिंग प्रेमी पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। उसका नाम अरुण महतो है। वह सोनाहाता का रहने वाला है। जबकि प्रेमिका डिल्हिडीह ग्राम के उपर की रहने वाली है। थाने में दर्ज कर अपाइआ में अपाइल लगाया कि अरुण से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। इस दौरान अरुण ने कई बार उसका यौन शोषण किया। जिस कारण वह एक बार गर्भवती भी हो गई और उसका गर्भपाता भी कराया है। इसर महिला थाने में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए छापानारी कर रही रही।

ट्रैक्टर से टकर हो गई थी। दोनों व्यक्ति जोडीह से वापस को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।

प्रेमिका ने नाबालिंग प्रेमी पर लगाया यौन शोषण का आरोप, थाने में एफआइआर दर्ज

बुंदू (आजाद सिपाही)। प्रेमिका द्वारा बुंदू महिला थाने में 17 वर्षीय नाबालिंग प्रेमी पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। उसका नाम अरुण महतो है। वह सोनाहाता का रहने वाला है। जबकि प्रेमिका डिल्हिडीह ग्राम के उपर की रहने वाली है। थाने में दर्ज कर अपाइआ में अपाइल लगाया कि अरुण से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। इस दौरान अरुण ने कई बार उसका यौन शोषण किया। जिस कारण वह एक बार गर्भवती भी हो गई और उसका गर्भपाता भी कराया है। इसर महिला थाने में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए छापानारी कर रही रही।

ट्रैक्टर से टकर हो गई थी। दोनों व्यक्ति जोडीह से वापस को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।

प्रेमिका ने नाबालिंग प्रेमी पर लगाया यौन शोषण का आरोप, थाने में एफआइआर दर्ज

बुंदू (आजाद सिपाही)। प्रेमिका द्वारा बुंदू महिला थाने में 17 वर्षीय नाबालिंग प्रेमी पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। उसका नाम अरुण महतो है। वह सोनाहाता का रहने वाला है। जबकि प्रेमिका डिल्हिडीह ग्राम के उपर की रहने वाली है। थाने में दर्ज कर अपाइआ में अपाइल लगाया कि अरुण से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। इस दौरान अरुण ने कई बार उसका यौन शोषण किया। जिस कारण वह एक बार गर्भवती भी हो गई और उसका गर्भपाता भी कराया है। इसर महिला थाने में किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस उसकी गिरफतारी के लिए छापानारी कर रही रही।

ट्रैक्टर से टकर हो गई थी। दोनों व्यक्ति जोडीह से वापस को डॉक्टरों से मृत घोषित कर दिया।

प्रेमिका ने नाबालिंग प्रेमी पर लगाया यौन

मिस यूनिवर्स बनी यूएसए की गैलिएल

भारत की हरनाज ने पहनाया ताज : दिविता टॉप 5 में नहीं पहुंच सकीं

आजाद सिपाही संचाददाता

नवी दिल्ली। 71वां मिस यूनिवर्स खिताब यूएसए की आरी बांडी गैलिएल ने अपने नाम किया है। भारत की हरनाज संधू ने उहें ताज पहनाया। फर्स्ट रनर अप वेनेजुएला की अमेंडा द्रुमेल और सेकेंड रनर अप डामिनिकन रिपब्लिक की एंड्रिना मार्टिनेज रहीं। यह फेजेंट अमेरिका के न्यू ऑले अस्ट्रेशर में हुआ। इसमें 25 साल की दिविता राय ने भारत को प्रिजेंट किया, जो टॉप 5 में नहीं पहुंच सकीं। वो इवनिंग माइन राण्ड में बाहर हो गयीं। इस पेजेंट में दुनियाभर की 86 सुंदरियां ने हिस्सा लिया।

टॉप 16 तक पहुंची दिविता : दिविता टॉप 16 पर पहुंच गयी थीं। भारत कोस्टस्मून राण्ड में दिविता ने 'सोन मिरैया' का सभी का ध्यान खींचा था। दरअसल, एक समय भारत को 'सोने की उड़ोंने आकिंटेंट की पढ़ाई की



मिस थाईलैंड ने गार्बेज से बनी ड्रेस पहनी : मिस थाईलैंड एना सुपरमिडियम ने कर्सर्ट्सम राण्ड में काल्ड ट्रिक कैन के एल्यूमिनियम ढक्कन से बनी ड्रेस पहनी थी। सिल्वर कलर की ड्रेस की लॉन लेंथ और प्रॉट स्लिट इसे ग्लैमरस बना रखी थी। एना ने ये ड्रेस अपने पिता को ट्रिप्टूट देने के लिए पहनी थी। एना सुपरमिडियम का ये गाउन कूड़े और रिसाइक्ल मर्टिरिल्स से बना है।

मिस यूनिवर्स 2022 पहनेंगी 49 करोड़ का ताज : इस बार मिस यूनिवर्स को नवा ताज पहनाया गया। इस ताज का नाम 'फोर्स फॉर गुड' है। इसे मौवाड़ कंपनी ने बनाया है। ये ताज दशात है कि महिलाओं ने जो भविष्य बनाया है वह संभावनाओं की सीमाओं से आगे है। इसकी कीमत 6 मिलियन रुपये है।

भारत को अब तक मिली हैं तीन मिस डीवा यूनिवर्स का खिताब जीत की है। दिविता : कर्नाटक की रहने वाली 25 वर्षीय दिविता राय पेशे से मॉडल हैं। उन्होंने कर्नाटक की राजनीति को खिताब जीता था। 1994 में लारा दत्ता मिस यूनिवर्स बनी थीं।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने किया बड़ा एलान
लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अकेले लड़ेगी पार्टी, किसी से भी गठबंधन नहीं करेंगे

आजाद सिपाही संचाददाता

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता की कोशिशों को तगड़ा झटका दिया है। 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के अवसर पर मायावती ने कहा कि वसपा अगले साल होने ता रहे चार राज्यों के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करेंगी और अपने दम पर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि यदि बैलेट पेपर से चुनाव कराये जायें, तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा, वह सारा खेल डीप्टीम की गड़बड़ी का है। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर मायावती रिवरवर को मार्डियाकर्मियों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा कि अब और संकरण ताकें साम दाम दंड भेद से बसपा को दूर करने में जुटी हैं।



भाजपा की खराब नीतियों पर पर्दा डालने की नाटक बाजी है। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी में लोगों को उजाड़ा जा रहा है कानून व्यवस्था की आइ में शिनोना खेल खेला जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब ओबीसी अरक्षण पर भी भाजपा कंग्रेस सपा की राह पर चल निकली है। यही कारण रहा कि निकाय चुनाव प्रारंभित हुआ। इस मूर्खियम प्रेम पर कहा कि मायावती ने कहा कि पसमांदा से बात करायी थी। यही कारण रहा कि निकाय चुनाव प्रारंभित हुआ। इस मौके पर मायावती ने मेरे संघर्ष में कहा कि पसमांदा समाज से

पहले वह मुस्तिल हैं। बीजेपी में इस समाज की कोई मदद नहीं होती। देश में पसमांदा समाज के लोगों से कैसे व्यवहार हो रहा है, वे सब जानते हैं।

वहीं जब बाहुबली अतीक अहमद के परिवार के बसपा में शाफरनामा भाग 18 का भी विमोचन किया। उन्होंने खासराहा से बैलेट पेपर से चुनाव कराया जाने पर जोर दिया। कहा कि जब जब वैलेट से चुनाव कराया जाना था तो किसी ने जब जब वैलेट से चुनाव कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब ओबीसी अरक्षण पर भी भाजपा कंग्रेस सपा की राह पर चल निकली है। यही कारण रहा कि निकाय चुनाव प्रारंभित हुआ। इसीमां ने कहा कि पसमांदा समाज के लिए जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रेलवे अधिकारी समेत सात लोगों को सीबीआइ ने किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संचाददाता

नवी दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) ने 50 लाख रुपये की कथित रिश्वतखोरी के मारने में एक अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक और एक विचारित तथा हवाला संचालक तरफ समेत छह अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि 1997 बैच के भारतीय रेलवे से

के अधिकारी जितेंद्र पाल सिंह को गिरफ्तार करने से वहले उनकी रिश्वत लेने हुए एक बड़ा गया। सीबीआइ के एक प्रवक्ता को अनुचित लाभ देने के लिए राइदे और रायकारण रखी। सीबीआइ ने आरोप लगाया कि सिंह जब न्यू जलपाइयुदी में पुस्तक तैयार करने, चालू खाते के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

निर्माण के साथ ही गार्बेज से बनी ड्रेस पहनी थी। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेदारों के बिल को पारित करने, लोकतंत्र बिलों का जल्द भुगतान करने और

रिश्वत लेने हुए थे। उन्होंने कहा कि जब जब वैलेट करा किया गया था, तो वे अक्सर विभिन्न ठेकेद